



पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

बी.ए. ( व्याकरणम् )

2020-2021

# बी.ए. ( व्याकरणम् )

## Program Educational Objectives (PEOs)

Kashika consists of the explanation of paniniya ashtadhyayi sutras. Here, the essence of vyakarana shashtra has been collected which was scattered elsewhere in various texts. Following are the objectives of teaching this scripture.

- **PEO 1** – To make sense of the sutras of ashtadhyayi understanding them through detailed discussions, their examples and derivation of different words.
- **PEO 2** – Inform the students about the language related principles and philosophical principles of Sanskrit grammar.
- **PEO 3** – Offer the students context and meaning oriented explanations of Katyayana's Vartikas.
- **PEO 4** – Expose the students to panini's 'ganapatha' and 'karikas'.
- **PEO 5** – Relay the principles decided by Patanjali in the 'Mahabhashya'.
- **PEO 6** – To produce a comprehensive understanding of the words of Sanskrit language.
- **PEO 7** – Help the students with the knowledge of various Sanskrit and Vedic texts so that they get an introduction to Vedic and sanskrit literature.

## Program Specific Outcomes (PSOs)

After completing of the program, the students will be able to

- **PSO 1** – Progress smoothly in the Sanskrit language understanding the principles of grammar and meanings of sutras their examples etc.
- **PSO 2** – Read and understand the entire Sanskrit literature internalising the knowledge of Sanskrit language.
- **PSO 3** – Understand the basic principles of Vedic texts such as Gita, Upanishads, Vedas etc.
- **PSO 4** – Effortlessly speak the Sanskrit language without allowing any imperfections related to the usage of words.

## बी. ए. (व्याकरण) कक्षायाः पाठ्यक्रमः

बी. ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य— इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्याकरण, लौकिक साहित्य एवं वैदिक साहित्य का गहन परिचय कराना है।

### सामान्यनियमाः—

- बी. ए. (व्याकरण) त्रैवार्षिक पाठ्यक्रम है। बी. ए. प्रथम वर्ष, बी. ए. द्वितीय वर्ष, बी. ए. तृतीय वर्ष।
- प्रत्येक वर्ष में दो सत्र होंगे। अतः बी. ए. के पाठ्यक्रम में कुल ६ सत्र होंगे।
- प्रत्येक सत्र में ५ पत्र होंगे, अतः शास्त्री के पाठ्यक्रम में कुल ३० पत्र होंगे।
- प्रत्येक पत्र १०० अङ्क का होगा, इसमें ७० अंक बाह्य परीक्षा के व ३० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन के होंगे।
- आन्तरिक ३० अङ्कों में से १० अङ्क सत्र के मध्य ली जाने वाली लिखित परीक्षा के होंगे, १५ अङ्क शास्त्रस्मरण के होंगे व ५ अङ्क संस्कृत संभाषण व अनुशासन के होंगे।
- प्रत्येक सत्र की बाह्य परीक्षा का समय ३ घण्टे निर्धारित है।
- अध्ययन-अध्यापन एवं परीक्षा का माध्यम संस्कृत ही रहेगा।

★ विशेष— संस्कृत से अनभिज्ञ विद्यार्थियों के लिए शास्त्री से पूर्व एक वर्ष के सहायक पाठ्यक्रम का अध्ययन करना अथवा द्विवार्षिक डिप्लोमा (व्याकरण) करना अनिवार्य है। सम्पूर्ण जानकारी हेतु सहायक पाठ्यक्रम का अवलोकन करें।

*2-11-1987*

*me yur*

बी.ए. पाठ्यक्रमः( प्रथमसत्रम् )

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-101	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-102	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-103	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-104	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-105	आङ्गलभाषा	70	30

बी.ए. पाठ्यक्रमः( द्वितीयसत्रम् )

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-201	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-202	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-203	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-204	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-205	आङ्गलभाषा	70	30

बी.ए. पाठ्यक्रमः( तृतीयसत्रम् )

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-301	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-302	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-303	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-304	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-305	आङ्गलभाषा	70	30

बी.ए. पाठ्यक्रमः( चतुर्थसत्रम् )

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-401	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-402	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-403	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-404	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-405	आङ्गलभाषा	70	30

बी.ए. पाठ्यक्रमः( पञ्चसत्रम् )

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-501	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-502	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-503	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-504	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-505	आङ्गलभाषा	70	30

बी.ए. पाठ्यक्रमः( षष्ठसत्रम् )

कोड	पाठ्यक्रमस्य रूपरेखा	बाह्याङ्का	आन्तरिकाङ्का
BV-601	संस्कृतव्याकरणम् (क)	70	30
BV-602	संस्कृतव्याकरणम् (ख)	70	30
BV-603	संस्कृतसाहित्यम्	70	30
BV-604	वैदिकसाहित्यम्	70	30
BV-605	आङ्गलभाषा	70	30

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

### **Paper - 1**

#### ***saṃskṛtavvyākaraṇam (1)***

#### **Paper Code - BV-101**

#### **Course Objectives-**

- laukika evaṃ vaidika śabdom kaṃ anuśāsana, pratyāhāra kā bodha, vyākaraṇa ke mahatva kā bodha karānā |
- saṃjñā sūtreṃ, paribhāṣā sūtreṃ auro sthānivad bhāva, udāttādi kā bodha karānā |
- aśiṣya prakaraṇa, ekaśeṣa prakaraṇa kā vidyārthī ko bodha pradāna karānā |

#### **Course Outcomes-**

- pratyāhāra ke jñāna se vidyārthī pratyāhāra nirmīta karane meṃ sakṣama hotā hai |
- guṇa, vṛddhi, ṭi, ghu ādi saṃjñā jānane se vidyārthī anya śāstreṃ meṃ tvarita gati prāpta karatā hai |
- sthānivad, kitvat, ghidvad ādi ke jñāna se vidyārthī kī buddhi kā sūkṣma rūpa se vikāsa hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

Code-BV 101

### प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (१)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (प्रत्याहारसूत्रसहितः प्रथमाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृतसंस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

*(Handwritten signature and text)*  
Zaidunisa  
20/11/20

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

Code-BV 101

पूर्णाङ्काः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(व्याकरण- १)

१. काशिकातः—

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |



# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 1**

**Paper - 2**

***saṃskṛtavvyākaraṇam (2)***

**Paper Code - BV-102**

## **Course Objectives-**

- dhātusaṃjñā, parasmaipada aura ātmanepada saṃjñā kā bodha karānā |
- nadī, ghi, kāraka ādi kā vidyārthī ko bodha karānā |
- avyayārtha kā bodha karānā |

## **Course Outcomes-**

- parasmaipada ātmanepada kā bodha hone se vidyārthī śāstreṃ meṃ unnata gati prāpta karatā hai |
- nadī, ghi, vipratīṣedha ādi ko jānane se buddhi kā sūkṣmīkaraṇa hotā hai |
- avyaya ko jānane se unake prayoga karane kī kuśalatā kā vikāsa hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

Code-BV 102

## द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (२)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (प्रथमाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ)-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१०
२. अव्ययार्थः -	२०
(क) शब्दार्थः	१०
(ख) वाक्यप्रयोगः	१०

## सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृतसंस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

४. अव्ययार्थः- श्रीमत्स्वामिदयानन्दसरस्वतीकृतव्याख्यासहितः

प्रकाशकः- वैदिकपुस्तकालयम्, अजमेरनगरम्, राजस्थानम्।

*Signature*  
m y r

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

Code-BV 102

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(व्याकरण- २)

### १. काशिकातः—

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्।          | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                       | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                   | १० |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                     | १० |
| ५. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्दसिद्धिषु / शङ्कासु द्वयोः साधनम् / समाधानं। | १० |

### २. अव्ययार्थतः—

- |  |    |
|--|----|
| १. विंशतेः शब्दानामर्थबोधनम्।                    | १० |
| २. दशानां शब्दानां प्रत्येकं वाक्यद्वये प्रयोगः। | १० |

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 1**

**Paper - 3**

***saṃskṛtasāhityam***

**Paper Code - BV-103**

### **Course Objectives-**

- kauṭaliya arthaśāstra kā vidyārthī ko bodha karānā |
- dūta vākyam' ke mādhya se nāndī, sūtradhāra aura śrīkṛṣṇa ke śānti prastāva kā bodha karānā |
- kāvya dīpikā meṃ nihita kāvya lakṣaṇa/kāvya svarūpa kā varṇana |
- chandoṃ kā bodha karānā |

### **Course Outcomes-**

- arthaśāstra ko jānane se vyakti arthaśāstra kā jñātā ho jātā hai |
  - dūtavākyam ke adhyayana se dūta kā ācaraṇa/vyavahāra/maryādā kā saralatā se bodha hotā hai |
- kāvyadīpikā adhyayana se kāvya śāstra meṃ pragati hotī hai |
- chanda ke adhyayana se sāhitya meṃ tvarita gati hotī hai |

बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम् Code-BV 103

तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०  
समयः- होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (अर्थशास्त्रान्तर्गतं विनयाधिकरणम् व्यसनाधिकरणम्)-	१५
(क) गद्यसाहित्योद्भवपरिचयौ / गद्यकृत्परिचयः	०५
(ख) शब्दार्थः, शब्दालङ्कारः वाक्यान्वयः, अर्थालङ्कारः / व्यसनविषयकप्रश्नाः	१०
(२) नाटकम्- (भासविरचितं दूतवाक्यम्)	३०
(क) नाटकोद्भवः/ कविपरिचयः	१०
(ख) पात्रपरिचयः/ श्लोकव्याख्या	१०
(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्गसारः	१०
(३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा १-२)	२०
(क) काव्यशास्त्रोद्भवसामान्यपरिचयः	१०
(ख) काव्यप्रयोजनलक्षणे, शक्तिस्वरूपनिरूपणम्	१०
(४) पञ्च छन्दांसि-	५

छन्द- (अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, मालिनी, शालिनी, शार्दूलविक्रीडित, पञ्चचाक्षर, द्रुत-विलम्बित, दोधक, तोटक, भुजङ्गप्रयात, शिखरिणी)

सहायकग्रन्थाः-

१. कौटलीय अर्थशास्त्र- उदयवीर शास्त्री (व्याख्याकार)

प्रकाशकः- मेहरचन्द लक्ष्मनदास पब्लिकेशंस नई दिल्ली।

२. भासनाटकचक्रम्- महाकविभासविरचितम्

प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा० लि०, देहली।

४. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

५. वृत्तरत्नाकार-

# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

## **Semester 1**

### **Paper - 4**

#### ***vaidikasāhityam***

#### **Paper Code - BV-104**

#### **Course Objectives-**

- vedastha vibhinna sūktom kā vidyārthiyom ko bodha karānā |
- yoga kā svarūpa, kliṣṭākliṣṭa, abhyāsa vairāgya ādi kā bodha karānā |
- upaniṣad aura gītā ke mādhyama se vaidika vāghmaya kā paricaya karānā |

#### **Course Outcomes-**

- vibhinna sūktom ko jānane se vedajñāna ke prati tvarita gati hotī hai |
- kliṣṭākliṣṭa, abhyāsa-vairāgya, samprajñāta-asamprajñāta ādi ke adhyayana se jīvana ko unnata diśā milatī hai |
- vaidika vāghmaya ke bodha hone se prācīna granthom ke prati lagāva utpanna hotā hai arthāt unake prati adhyayanaśīlatā badatī hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य प्रथमसत्रम्

Code-BV 104

### चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (ऋग्वेदः इन्द्रसूक्तम् २.१२, ज्ञानसूक्तम् १०.७१)-	१५
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	१०
(२) दर्शनम्- (योगदर्शनम्- प्रथमद्वितीयपादौ)	२०
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	०५
(ग) समाधिसाधनविषयकप्रश्नाः	१०
(३) उपनिषद्- (ईशोपनिषद्)	१५
(क) कण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः- (गीता- अध्यायः ३ )	२०
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	१०

### सहायकग्रन्थाः-

१. ऋग्वेदः- व्याख्याकारः डा० जियालाल कम्बोज

प्रकाशकः- १. विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

२. योगदर्शनम्

प्रकाशकः- दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।

३. ईशादि नौ उपनिषद्

प्रकाशकः- गीताप्रेस गोरखपुर।

४. श्रीमद्भगवद्गीतामृत

प्रकाशकः- दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

Code-BV 104

(वैदिकसाहित्यम्)

पूर्णाङ्काः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः- ३०

समयः- होरात्रयम्

वेदतः

- |  |    |
|--|----|
| १. उपर्युक्तसूक्तेषु स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः ।    | ०५ |
| २. चतुर्णां मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् । | १० |

दर्शनतः

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि । | ०५ |
| २. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्था बोधनीयाः ।    | ०५ |
| ३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् ।           | १० |

उपनिषत्तः

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणां पूर्तिः करणीया ।         | ०५ |
| २. पृष्ठेषु चतुर्षु द्वयोः विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् । | १० |

गीतातः

- |  |    |
|--|----|
| १. पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः करणीया ।                         | १० |
| २. पृष्ठानां पञ्चानां श्लोकानां पदच्छेदविभक्तिसमासा लेखनीयाः । | १० |



# बी.ए. व्याकरणम्

## प्रथमसत्रम्

### पञ्चमपत्रम्- English Communication-I

**BV-105**

#### Programme Objectives

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

#### Course Specific Outcomes

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

## Semester – I

S.NO.	Story Name	English Literature	Page No.
1	A Grain as big as a hen's Egg	Prose	1-2
2	Atal Bihari Vajpayee	Prose	3-7
3	Dr. B.R. Ambedkar	Prose	8-9
4	For the greater God	Prose	10-12
5	Louis Braille	Prose	13-15
6	One and Quarter Kilo of Wheat	Prose	16-21
7	How Much Land does a man need	Prose	22-35
8	Mending Wall	Poetry	36

## B.A. Sanskrit Vyākaraṇam

Semester 1

Paper - 6

*vaikalpikapraśnapatraṇi*

Paper Code - BV-106

### Course Objectives-

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā |
- bhāratiya paramparāṃ, dharmasāstreṃ evaṃ bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthasāstra evaṃ rājanītisāstra kā jñāna karānā |

### Course Outcomes-

- mānava mana ko samajhane meṃ sahāyatā milatī hai |
  - apanī paramparāṃ ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgrta hotā hai |
- artha vijñāna aurā rājanaitika sthitiyoṃ ko samajhane kā sāmārthya baDA jātā hai |

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

### विषया: -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय-इतिहासः।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

### सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 2**

**Paper - 1**

***saṃskṛtavyākaraṇam (3)***

**Paper Code - BV -201**

**Course Objectives-**

- avyayībhāva, tatpuruṣa, dvigu, dvandva, bahuvrīhi samāsa kā jñāna |
- samāsa meṃ nirdiṣṭa padmeṃ kā prayoga niyama |

**Course Outcomes-**

- bhāṣā prayukta samāsānta padmeṃ ke bodha se artha bodha sugamatā se hotā hai |
  - samāsa hone se ekavibhakti, ekapada tathā ekasvara ho jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम्

Code-BV 201

### प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (३)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- दोरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (द्वितीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)–	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) शब्दसिद्धिः	१०
(ङ) शङ्का समाधानम्	१०
२. नामिकम् –	२०
(क) शब्दरूपलेखनम्।	१०
(ख) शब्दसिद्धिः।	१०

### सहायकग्रन्थाः—

१. काशिकावृत्तिः— श्री वामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः— १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः— आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः— चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः— पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः— हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

४. नामिकम्— महर्षिदयानन्द सरस्वती

प्रकाशकः— वैदिक पुस्तकालयम्, अजमेरम्, राजस्थानम्।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 201

(व्याकरण - ३)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

काशिकातः	५०
१. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्।	१०
२. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।	१०
३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानाम्।	१०
४. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु द्वयोः शब्दसिद्धिः।	१०
५. प्रदत्तासु चतसृषु शङ्कासु द्वयोः समाधानम्।	१०
नामिकतः -	
१. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णां शब्दानां रूपलेखनम्।	१०
२. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णां मुख्यसूत्रसहिता संक्षेपतः शब्दसिद्धिः।	१०

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 2**

**Paper - 2**

***saṃskṛtavvyākaraṇam (4)***

**Paper Code - BV-202**

### **Course Objectives-**

- kāraka vibhakti evaṃ upapada vibhaktiyom kā bodha |
- samāsa meṃ ekavad bhāva evaṃ lighaõ bodha |
- ārdhadhātukaviṣayaka kāryom kā jñāna |

### **Course Outcomes-**

- saṃskṛtabhāṣā ke lekhaṇa, sambhāṣaṇa evaṃ artha bodha meṃ kuśalatā prāpta hogī |
- bhāṣā meṃ prayukta tighanta evaṃ subanta padom kā arthasahita bodha |
- svara viṣayaka jñāna meṃ samartha hote haiṃ |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम् Code-BV 202

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(व्याकरण-४)

१. काशिकावृत्तिः (द्वितीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ)-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) शब्दसिद्धिः	१०
(ङ) शङ्का समाधानम्	१०
२. पारिभाषिकः -	२०

### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्री वामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरियाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरियाणा।

४. पारिभाषिकः - व्याख्याकारः- आचार्यः प्रद्युम्नः

प्रकाशकः- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 202

(व्याकरण - ४)

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः - ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः - ३०  
समयः - होरात्रयम्

काशिकातः

१. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्। १०
२. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्। १०
३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्। १०
४. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु द्वयोः शब्दसिद्धिः। १०
५. प्रदत्तासु चतसृषु शङ्कासु द्वयोः समाधानम्। १०

पारिभाषिकतः

१. पृष्ठासु षट्सु परिभाषासु चतस्रः परिभाषाः अवतरणसहिताः व्याख्येयाः। २०



## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 2**

**Paper - 3**

***saṃskṛtasāhityam***

**Paper Code - BV-203**

### **Course Objectives-**

- kādambarīstha śukanāsopadeśa, rājyaśrī kā bodha karānā |
- bhīma-duryodhana kā yuddha aura śrīkṛṣṇa-pāṇḍavom kī maṃtraṇā kā bodha karānā |
- kāvyadhvani rasa kā saralatā se bodha karānā |
- āyurveda meṃ varṇita svasthavṛtta kā bodha karānā |

### **Course Outcomes-**

- rājyaśrī ke lābha aura usake mada se hone vālī hāniyom ko jānane se jīvana meṃ sa jagatā ātī hai |
- bhīma-duryodhana ke yuddha ke adhyayana se rājanīti kā bodha hotā hai |
- kāvyasāstra adhyayana se sāhityagata ruci meṃ vikāsa hotā hai |
- svasthavṛtta ke adhyayana se vidyārthiyom meṃ vyāvahārika kuśalatā kā vikāsa hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम् Code-BV 203

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०  
समयः- होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (कादम्बरीतः शुकनासोपदेशः)-	२०
(क) कविपरिचयः	०५
(ख) गद्यत्रय्यां कादम्बर्याः स्थानम्/ गद्यव्याख्यानम्	१०
(ग) कथासारः/ काव्यगतविशेषताः	०५
(२) नाटकम्- (भासविरचितं उरुभङ्गम्)	२०
(क) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः	०५
(ख) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या	१०
(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः	०५
(३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ३)	१५
(क) काव्यध्वनिरसभेदाः	१५
(४) आयुर्वेदः- (चरकसंहिता सूत्रस्थानस्याष्टमोऽध्यायस्य स्वस्थवृत्तम्)	१५
(क) गद्यव्याख्या	०५
(ख) विषयगतप्रश्नाः	१०

### सहायकग्रन्थाः-

१. शुकनासोपदेशः- व्याख्याकारः रामनरेश झा  
    प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा० लि०, देहली।
२. भासनाटकचक्रम्- महाकविभासविरचितम्  
    प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा० लि०, देहली।
३. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता  
    प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा० लि०, देहली।
४. चरकसंहिता- महर्षिचरकप्रतिसंस्कृता  
    प्रकाशकः- राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, जनकपुरी, नई दिल्ली।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 2**

**Paper - 4**

**vaidikasāhityam**

**Paper Code - BV-204**

### **Course Objectives-**

- vedastha vāgāmbhṛṇī aura nāsadīya sūkta kā bodha karānā |
- yogadarśanastha, vibhinna vibhūtiyoṃ evaṃ kaivalya kā bodha |
- upaniṣad aura gītā ādi dhārmika granthoṃ kā bodha |

### **Course Outcomes-**

- vāgāmbhṛṇī aura nāsadīya sūkta ke adhyayana se vidyārthī prācīna jñāna paramparā ko aghaōikṛta karatā hai |
- yogadarśana adhyayana se aṇimā, mahimā, paracittajñāna ādi vibhūti aura kaivalya ke prati ruci kā vikāsa hotā hai |
- kenopaniṣad ke adhyayana se bhagavatsattā kā anubhava hotā hai |
- śrīmadbhagavadgītā ke adhyayana se vidyārthiyōṃ meṃ viśuddha bhakti bhāva kā jāgaraṇa hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य द्वितीयसत्रम् Code-BV 204

### चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (ऋग्वेदः वागाम्भृणी १०.१२५,	
भाववृत्तम्/नासदीयम् १०.१२९,-	२०
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	१०
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	०५
(२) दर्शनम्- (योगदर्शनम्- तृतीयचतुर्थपादौ)	१५
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	०५
(ग) विषयात्मकप्रश्नाः	०५
(३) उपनिषद्- (केनोपनिषद्)	२०
(क) कण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः- (गीता- अध्यायः १२)	१५
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	१०

**सहायकग्रन्थाः—**

१. ऋग्वेदः— व्याख्याकारः डा० जियालाल कम्बोज  
प्रकाशकः— १. विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
२. योगदर्शनम्  
प्रकाशकः— दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।
३. ईशादि नौ उपनिषद्  
प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर।
४. श्रीमद्भगवद्गीतामृत  
प्रकाशकः— दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट पतञ्जलि योगपीठ।

**Code-BV 204**

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः**

**वेदतः**

१. उपर्युक्तसूक्तेषु स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः। ०५
२. चतुर्णां मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्। १०
३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि। ०५

**दर्शनतः**

१. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि। ०५
२. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्था बोधनीयाः। ०५
३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम्। ०५

**उपनिषत्तः**

१. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां मन्त्राणां पूर्तिः करणीया। १०
२. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णां विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम्। १०

**गीतातः**

१. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकानां पूर्तिः करणीया। ०५
२. पृष्ठानां पञ्चानां श्लोकानां पदच्छेदविभक्तिसमासा लेखनीयाः। १०

## B.A. Sanskrit Vyākaraṇam

### Semester 2

#### Paper -5

#### English Communication – II

Code : BV-205

#### Objectives:

- Communicate easily with and enhance the ability to understand native speakers
- Remove personal barriers and enhance confidence in a group setting and in work places
- Help translate L2 from L1 in a more efficient manner
  - (L1 is the mother tongue & L2 is the Official Language – here English)
- Enhance formal and business writing skills

#### Course Specific Outcomes

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

## Semester – II

S.NO.	Story Name	English Literature	Page No.
1	The Wheel of Creation	Prose	1
2	Game of Tip Cat	Prose	2-6
3	If I Were You	Prose	7-11
4	The Missing Mail	Prose	12-16
5	Maharishi Patanjali	Prose	17-23
6	A Tiger in the house	Prose	24-26
7	Two Bullocks	Prose	27-32
8	Where the mind is without fear		

**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 2**

**Paper - 6**

***vaikalpikapraśnapatraṇi***

**Paper Code - BV -206**

**Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā |
- bhāratīya paramparāoṃ, dharmasāstreṃ evaṃ bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthasāstra evaṃ rājanītisāstra kā jñāna karānā |

**Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane meṃ sahāyatā milatī hai |
- apanī paramparāoṃ ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgrta hotā hai |
- artha vijñāna aurā rājanaitika sthitiyoṃ ko samajhane kā sāmārthya baDA jātā hai

वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः

समयः- होरात्रयम्

विषयाः -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय-इतिहासः।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।



**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 3**

**Paper - 1**

***saṃskṛtavvyākaraṇam (5)***

**Paper Code - BV -301**

**Course Objectives-**

- pratyaya, kṛt, kṛtya, upapadādi saṃjñāoṃ kā bodha |
- dhātuoṃ se vihita kṛt, kṛtya pratyayoṃ kā jñāna |

**Course Outcomes-**

- bhāṣā meṃ prayukta kṛdanta śabdoṃ ke jñāna hone se bhāṣā meṃ nipuṇa ho jātā hai |
- saṃskṛta meṃ prayukta śabdoṃ ke artha ko samajhane meṃ saralatā ā jātī hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 301

### प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (५)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

१ . काशिकावृत्तिः (तृतीयाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ )-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः/ शङ्कासमाधानम्	१५

### सहायकग्रन्थाः-

१ . काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा ।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९ ।

३. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी ।

२ . वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी ।

३ . व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा ।

२

29/10/2021

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 301

पूर्णाङ्काः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(व्याकरण- ५)

१. काशिकातः-

१. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।	१५
२. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।	१५
३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।	१५
४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।	१०
५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्।	१५

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 3**

**Paper - 2**

***saṃskṛtavyākaraṇam (6)***

**Paper Code - BV -302**

### **Course Objectives-**

- uṇādi kisa kāla meṃ hote haiṃ, isakā jñāna karanā |
- dhātuṃ se vihita kṛt evaṃ tighpratyaṃ ke kāraṃ kā bodha |

### **Course Outcomes-**

- bhāṣā meṃ prayukta tighanta evaṃ kṛdanta śabdoṃ kā jñāna hotā hai |
- bhāṣā ke lekhaṇa, sambhāṣaṇa evaṃ adhyayana meṃ nipuṇatā prāpta hotī hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 302

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् ( ६ )

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०  
समयः- होरात्रयम्

१ . काशिकावृत्तिः ( तृतीयाध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ )-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) शब्दसिद्धिः	१०
(ङ) शङ्कासमाधानम्	१०
२ . उणादिकोषः -	२०
(क) अर्थोदाहरणे	१०
(ख) शब्दव्युत्पत्तयः	१०

### सहायकग्रन्थाः-

१ . काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १ . रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा ।

२ . श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९ ।

३ . तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी ।

२ . वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी ।

३ . व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा ।

४ . उणादिकोषः - श्रीमत्स्वामिदयानन्दसरस्वतीकृतव्याख्यासहितः ।

प्रकाशकः- रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरियाणा ।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः

Code-BV 302

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(व्याकरण- ६)

१. काशिकातः-

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्। | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।              | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानाम्।         | १० |
| ४. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु द्वयोः सिद्धिः।                | १० |
| ५. प्रदत्तेषु चतसृषु शङ्कासु द्वयोः समाधानं।                 | १० |

२. उणादिकोषतः

- |   |    |
|---|----|
| ७. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणाम् अर्थोदाहरणानि। | १० |
| ८. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां शब्दानां सिद्धयः।   | १० |

**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 3**

**Paper - 3**

***saṃskṛtasāhityam***

**Paper Code - BV -303**

**Course Objectives-**

- saundarānanda ke mādhyama se vairāgya kā bodha karānā |
- śivarāja vijaya ke mādhyama se chatrapati śivājī kī aitihāsika vijaya kā bodha karānā |
- kāvyadīpikā kā bodha karānā |

**Course Outcomes-**

- saundarānanda ke adhyayana se vidyārthī vairāgya se bhalī-bhāṃti paricita hotā hai |
- śivarāja vijaya ke adhyayana se vidyārthī hamāre apne itihāsa ko samyag jñāna pātā hai |
- kāvyasāstra adhyayana se vidyārthī kī śāstra, sāhityagata ruci kā vikāsa hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 303

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०  
समयः- होरात्रयम्

- |  |    |
|--|----|
| (१) सौन्दरानन्दम् चतुर्दशः सर्गः (२१-५२ श्लोकाः)                     | २० |
| (क) पदार्थः, अन्वयार्थः / छन्दः, अलङ्कारः, रसः, व्यङ्ग्यार्थः        | १० |
| (ख) व्याकरणात्मकप्रश्नः  | १० |
| (कारकः/ समासः/ विभक्तिः/ अव्ययम्/ शब्दव्युत्पत्तिः)                  |    |
| (३) ऐतिहासिककाव्यम्- (शिवराजविजयम्<br>प्रथमविरामस्य प्रथमो निश्वासः) | २५ |
| (क) गद्यकारपरिचयः / गद्यव्याख्या                                     | १० |
| (ख) काव्यसौन्दर्यम्  | १० |
| (ग) निःश्वाससारः   | ०५ |
| (४) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ४)                             | २५ |
| (क) विषयगतप्रश्नाः   | २५ |

### सहायकग्रन्थाः-

१. रामायणम्- (सौन्दरानन्दम् चतुर्दशः सर्गः )  
प्रकाशकः- गीताप्रेस गोरखपुर ।
२. शिवराजविजयम्- महाकविः श्रीमदम्बिकादत्तव्यासप्रणीतम्  
प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली ।
३. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता  
प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली ।



## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 3**

**Paper - 4**

**vaidikasāhityam**

**Paper Code - BV -304**

### **Course Objectives-**

- yajurveda meṃ varṇita 'puruṣa sūkta' kā bodha karānā |
- sāṃkhyadarśanastha padārtha nirupaṇa, jīvana cakra ādi kā bodha karānā |
- upaniṣad aura gītā ke mādhyama se prācīna evaṃ vaijñānika dhārmika granthoṃ kā bodha karānā |

### **Course Outcomes-**

- 'puruṣa sūkta' ke adhyayana se vyakti ke virāṭ vyaktitva kā bodha hotā hai |
- sāṃkhyadarśana ke adhyayana se sṛṣṭicakra aura īśvarīya tatva ke padārtha bodha se jīvana ko naī dīśā prāpta hotī hai |
- upaniṣad aura gītā ādi adhyayana se prācīna dhārmika granthoṃ kā saralatā se jñāna hotā hai |

बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 304

चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (यजुर्वेदः अध्यायः ३१)	१५
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	०५
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	०५
(२) दर्शनम्- सांख्यदर्शनम् (प्रथमोध्यायः)	२०
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	०५
(ग) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(३) उपनिषद्- (कठोपनिषद्)	२०
(क) कण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-	
(गीता- अध्यायः- १५ )	१५
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	१०

**सहायकग्रन्थाः—**

१. यजुर्वेदः— व्याख्याकारः महर्षि दयानन्द सरस्वती  
प्रकाशकः— १. वैदिक पुस्तकालय, अजमेर राजस्थान ।
२. सांख्यदर्शनम्  
प्रकाशकः— आर्ष शोध संस्थान, आलियाबाद, आन्ध्रप्रदेश ।
३. ईशादि नौ उपनिषद्  
प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर ।
४. श्रीमद्भगवद्गीतामृत  
प्रकाशक : — दिव्यप्रकाशनम्, दिव्ययोगमन्दिर ट्रस्ट, पतंजलि योगपीठ ।

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 304

(वैदिक साहित्यम्)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

वेदतः -

- |  |    |
|--|----|
| १. उपर्युक्तसूक्तेषु स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः ।        | ०५ |
| २. द्वयोर्मन्त्रयोः शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् ।        | ०५ |
| ३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि । | ०५ |

सांख्यदर्शनतः -

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि । | ०५ |
| २. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्थाः बोधनीयाः ।   | ०५ |
| ३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् ।           | १० |

उपनिषत्तः -

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां मन्त्राणां पूर्तिः ।           | १० |
| २. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णां विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् । | १० |

गीतातः -

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः ।                    | ०५ |
| २. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकानां पदच्छेदविभक्तिसमासा लेखनीयाः । | १० |

बी.ए. ऑनर्स-संस्कृतव्याकरणम्  
तृतीयसत्रम्

पञ्चमपत्रम्- English Communication-III

BV-305

**Programme Objectives**

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

**Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.  
Ability to speak and write clearly in standard, academic English

**Semester – III**

S.NO.	Story Name	English Literature	Page No.
1	The Coffee House of Surat	Prose	11-14
2	Salvation Sadgati	Prose	15-18
3	The Little Orphan	Prose	19-21
4	Walt Disney	Prose	22-24
5	Night of the Scorpion	Poetry	25-26
6	Maharishi Panini	Prose	27
7	Brahma (Poetry)	Poetry	28

**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 3**

**Paper - 6**

***vaikalpikapraśnapatram manovijñānam***

**Paper Code - BV -306**

**Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā |
- bhāratīya paramparāoṃ, dharmasāstreṃ evaṃ bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthasāstra evaṃ rājanītīsāstra kā jñāna karānā |

**Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane meṃ sahāyatā milatī hai |
- apanī paramparāoṃ ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgrta hotā hai |
- artha vijñāna aurā rājanaitika sthitiyoṃ ko samajhane kā sāmārthya baDA jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य तृतीयसत्रम् Code-BV 306

### वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

विषयाः -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 4**

**Paper - 1**

***saṃskṛtavvyākaraṇam***

**Paper Code - BV -401**

## **Course Objectives-**

- svādi strīpratyaya va taddhita pratyayoṃ kā bodha |
- taddhita ke adhikāra meṃ apatyārtha, cāturarthika, śaiṣikārthika ādi anya pratyayoṃ kā bodha |

## **Course Outcomes-**

- taddhita pratyaya va unakī prakṛti ke jñāna meṃ samartha hote haiṃ |
- taddhita ke adhikāra meṃ apatyārtha, cāturarthikādi pratyayoṃ ke jñāna meṃ samartha hote haiṃ |
- strī pratyayoṃ ke jñāna meṃ samartha hote haiṃ |



बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 401

प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (७)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः-७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः-

समयः- होरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (चतुर्थोऽध्यायः)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः/ शङ्कासमाधानम्	१५

सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

*Zaidun Ak*

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 401

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(व्याकरण- ७)

१. काशिकातः—

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 4**

**Paper - 2**

***saṃskṛtavvyākaraṇam***

**Paper Code - BV -402**

## **Course Objectives-**

- arhati, hitārtha, matubādi arthoṃ meṃ vihita taddhita pratyayoṃ kā bodha |
- taddhitārtha avyayaśabdoṃ kā jñāna |
- samāsānta pratyayoṃ kā bodha |

## **Course Outcomes-**

- bhāṣā meṃ prayukta taddhitārtha śabdoṃ kā sampūrṇatā bodha |
- bhāṣāviṣayaka jñāna meṃ vṛddhi |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 402

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (८)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

१ . काशिकावृत्तिः (पञ्चमोऽध्यायः)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 402

(व्याकरण- ८)

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०  
समयः- होरात्रयम्

### १. काशिकातः-

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 4**

**Paper - 3**

***saṃskṛtasāhityam***

**Paper Code - BV -403**

### **Course Objectives-**

- kathā ke mādhyama se adhyātma kā bodha |
- śakuntalā va duṣyanta kī kathā kā jñāna |
- kāvya ke doṣoṃ va guṇoṃ ke bhedoṃ va svarūpa kā bodha |

### **Course Outcomes-**

- rājakumārī kathā se vairāgya viṣayaka jñāna meṃ vṛddhi ho jātī hai |
- abhijñānaśākuntalam ke sāra ko jānane va batāne meṃ samartha hote haiṃ |
- kāvya ke doṣoṃ va guṇoṃ ke bhedoṃ, svarūpa ko śloka sahita jānane se kāvya racanā ke jñāna meṃ vṛddhi hotī hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 403

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (राजकुमारीकथा १-४० श्लोकाः)-	२०
(क) शब्दार्थः, वाक्यान्वयः / काव्यसौन्दर्यम्/अलङ्कारः	१०
(ख) कथासारः / नवीनकथालेखनम्	१०
(२) नाटकम्- (अभिज्ञानशाकुन्तलम्- चतुर्थोऽङ्कः)	२५
(क) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या	१०
(ख) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः	१०
(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः	०५
(३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ५, ६)	२५
(क) विषयगतप्रश्नाः	२५

### सहायकग्रन्थाः-

१. राजकुमारीकथा - संपादकः- प्रो० माईकल हार्न्स

प्रकाशकः- फिलिप्स यूनिवर्सिटी, जर्मनी।

२. अभिज्ञानशाकुन्तलम्

प्रकाशकः- १. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, जनकपुरी, नई दिल्ली।

२. व्याख्याकारः बद्रीनाथ शुक्ल- चौखम्बा प्रकाशन।

३. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा० लि०, देहली।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 4**

**Paper - 4**

**Vaidikasāhityam**

**Paper Code - BV -404**

### **Course Objectives-**

- vaidika mantreṃ kā smaraṇa unake śabdārthoṃ kā evaṃ ṛṣi chanda ādi kā jñāna karānā |
- sāṃkhyadarśana ke sūtreṃ kā smaraṇa evaṃ śabdārtha kā bodha karānā |
- upaniṣad evaṃ manusmṛti ke mantreṃ va ślokoṃ kā smaraṇa evaṃ jñāna pradāna karānā |

### **Course Outcomes-**

- vaidika jñāna ko samajhane se usake andara apne prācīna jñāna ke prati ādara evaṃ aura gaharāi se samajhane kī ruci utpanna hotī hai |
- sāṃkhya, upaniṣad ke ādhyātmika jñāna evaṃ manusmṛti se vyavahārika bodha prāpta karake jīvana unnata banātā hai |



## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 404

### चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (यजुर्वेद- ३२ अध्यायः)	२०
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	१०
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	०५
(२) दर्शनम्- (सांख्यदर्शनम्- चतुर्थोऽध्यायः)	१५
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	०५
(ग) विषयात्मकप्रश्नाः	०५
(३) उपनिषद्- (मुण्डकोपनिषद्)	२०
(क) कण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-	
(मनुस्मृतिः अध्यायः २, आदितः पञ्चाशत् श्लोकाः)	१५
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	०५

**सहायकग्रन्थाः—**

१. यजुर्वेदः— व्याख्याकारः महर्षि दयानन्द सरस्वती

प्रकाशकः— वैदिक पुस्तकालय, अजमेर राजस्थान ।

२. सांख्यदर्शनम्

प्रकाशकः— आर्ष शोध संस्थान, आलियाबाद, आन्ध्रप्रदेश ।

३. ईशादि नौ उपनिषद्

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर ।

४ मनुस्मृतिः

प्रकाशकः— आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट-४५५, खारी बावली, दिल्ली ।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 404**

**(वैदिक साहित्यम्)**

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

**वेदतः**

- |  |    |
|--|----|
| १. उपर्युक्ताध्याये स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः ।         | ०५ |
| २. चतुर्णां मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् ।     | १० |
| ३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि । | ०५ |

**सांख्यदर्शनतः**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि । | ०५ |
| २. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्थाः बोधनीयाः ।   | ०५ |
| ३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् ।           | ०५ |

**उपनिषत्तः**

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां / अनुच्छेदानां पूर्तिः । | १० |
| २. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णां विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् ।     | १० |

**मनुस्मृतितः**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः ।                   | १० |
| २. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः पदच्छेदविभक्तिसमासा लेखनीयाः । | ०५ |

# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

## **Semester 4**

### **Paper - 4**

#### **English Communication - IV**

#### **Paper Code - BV -405**

#### **Programme Objectives**

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

#### **Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

## **Semester – IV**

<b>S.NO.</b>	<b>Story Name</b>	<b>English Literature</b>	<b>Page No.</b>
1	Road not Taken	Poetry	1
2	God sees the Truth but Waits	Prose	2-9
3	Bharata Meets Rama, The Brothers Meet	Prose	10-14
4	Netaji Subhas Chandra Bose	-	15-18
5	Maharishi Sushrut	Prose	29-35
6	Subedar Yogendra	-	
7	The Necklace	Prose	
8	Mustafa kamaal	-	

**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 4**

**Paper - 6**

***manovijñānam***

**Paper Code - BV -406**

**Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karānā |
- bhāratīya paramparāoṃ, dharmasāstreṃ evaṃ bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthasāstra evaṃ rājanītisāstra kā jñāna karānā |

**Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane meṃ sahāyatā milatī hai |
- apanī paramparāoṃ ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgrta hotā hai |
- artha vijñāna aurā rājanaitika sthitiyoṃ ko samajhane kā sāmārthya baDA jātā hai |

बी. ए. पाठ्यक्रमस्य चतुर्थसत्रम् Code-BV 406

वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्काः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः- ३०

समयः- होरात्रयम्

विषयाः -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 1**

***saṃskṛtavvyākaraṇam***

**Paper Code - BV -501**

### **Course Objectives-**

- dhātu ko dvitva, samprasāraṇādi kāryom kā bodha |
- sandhiyom kā viśeṣa bodha |
- uttarapada ke rahate alug va anya kāryom kā bodha |

### **Course Outcomes-**

- dvitva aura samprasāraṇa ākārādeśa, ādi ke jñāna se siddhi mem viśeṣa yogyatā ātī hai |
- sandhiyom ke jñāna se anya pustakom ke paṭhana ke samaya saralatā va sahatatā ātī hai |  
śabdom ke svara nirdeśa mem pāraṃgata hote hai |

बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 501

प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (१)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः

समयः- होरात्रयम्

(१) काशिकावृत्तिः (षष्ठाऽध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ)-

(क) सूत्रव्याख्यानम्

५०

(ख) पदकृत्यम्

१०

(ग) वार्तिकव्याख्यानम्

१०

(घ) कारिकाव्याख्यानम्

१०

(ङ) शब्दसिद्धिः/ शङ्कासमाधानम्

१०

(२) फिट्सूत्राणि

२०

(क) सूत्रपाठकण्ठस्थीकरणम्

०५

(ख) अर्थोदाहरणे

१०

(ग) स्वरज्ञापनम्

०५

सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः


प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

४. फिट्सूत्रम् - पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

  
Sudhakar Singh

प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 501

पूर्णाङ्काः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(खण्ड - १)

काशिकातः

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १० |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                   | १० |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।               | १० |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                 | १० |
| ५. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्देषु / शङ्कासु द्वयोः साधनम् / समाधानम्। | १० |

फिट्सूत्रतः

- |  |    |
|--|----|
| ७. पृष्ठात् सूत्रादग्रे दशानां सूत्राणां लेखनम्।     | ०५ |
| ८. पृष्ठानां पञ्चसूत्राणाम् अर्थोदाहरणानि।           | १० |
| ९. पृष्ठानां पञ्चानां शब्दानां ससूत्रं स्वरज्ञापनम्। | ०५ |



## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 2**

***saṃskṛtavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -502**

### **Course Objectives-**

- uttarapada ke adhikāra meṃ nirdiṣṭa kāryom kā jñāna |
- aṃgasamjñā meṃ nirdiṣṭa dīrgha, asiddhavat, ārdhadhātuka tathā bhasamjñā sambandhita kāryom kā jñāna |

### **Course Outcomes-**

- saṃskṛta bhāṣā meṃ prayukta hone vāle subanta evaṃ tighanta padom kā arthasahita bodha karane meṃ saralatā rahatī hai |
- śabdānuśāsana karane meṃ hone vāle kāryom kā bodha hotā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 502

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (१०)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) काशिकावृत्तिः (षष्ठाऽध्यायस्य तृतीयचतुर्थपादौ)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

#### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्षमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 502

(व्याकरण-१०)

पूर्णाङ्काः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः- ३०

समयः- होरात्रयम्

काशिकातः-

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 3**

***saṃskṛtasāhityam***

**Paper Code - BV -503**

### **Course Objectives-**

- gadyātmaka kāvyoṃ ko samajhane evaṃ unake saundarya ko anubhava karane kī sāmārthya pradāna karanā |
- kāvya ke abhinna aṃga alaṃkāra ādi kā paricaya pradāna karanā |

### **Course Outcomes-**

- gadyātmaka kāvyoṃ evaṃ nāṭakoṃ ke adhyayana se bhāṣāgata sūkṣmatā evaṃ kāvyoṃ ko samajhane meṃ samārtha ho jātā hai |
- alaṃkāraādi ke paricaya se padyakāvya ādi meṃ prayukta alaṃkāreāṃ ko samajha kara ānanda kā anubhava karatā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 503

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) गद्यम्- (दशकुमारचरिततः विश्रुतचरितम्)-	२५
(क) कविपरिचयः, चरितसारः	१०
(ख) गद्यस्य सरलार्थः	१०
(ग) काव्यगतसौन्दर्यम्	०५
(२) नाटकम्- (भासविरचितं बालचरितम्)	२०
(क) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या	१०
(ख) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः	०५
(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः	०५
(३) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका शिखा ७,८)	२५
(क) विषयगतप्रश्नाः	२५

### सहायकग्रन्थाः-

#### १. विश्रुतचरितम्

प्रकाशकः- चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी।

#### २. भासनाटकचक्रम्

प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

#### ३. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 4**

***vaidikasāhityam***

**Paper Code - BV -504**

### **Course Objectives-**

- brahmacarya ke viṣaya kā bodha |
- tarkasaṃgraha kā saṃkṣipta bodha |
- praśnoṃpaniṣad meṃ varṇita praśnoṃ kā jñāna |

### **Course Outcomes-**

- veda ke mantreṃ kā kaṅṭhasthīkaraṇa karake arthapūrvaka batāne meṃ samartha hote haiṃ |
- tarkasaṃgraha se vaiśeṣika darśana kā prārambhika jñāna ho jātā hai |
- upaniṣad ke mantreṃ ke kaṅṭhasthīkaraṇa va unake artha bodha meṃ samartha hote haiṃ |
- anusmṛti ke śloka kī vyākhyā meṃ samartha hote haiṃ |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् Code-BV 504

### चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (अथर्ववेदः ब्रह्मचर्यसूक्तम्)	२०
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	१०
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	०५
(२) दर्शनम्- (तर्कसंग्रहः)	१५
(क) विषयात्मकप्रश्नाः	१५
(३) उपनिषद्- (प्रश्नोपनिषद्)	२०
(क) कण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-	१५
(मनुस्मृतिः- अध्याय - १२)	
(क) श्लोकपूर्तिः	१०
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	०५

सहायकग्रन्थाः—

१. अथर्ववेदः— व्याख्याकारः डा० विश्वनाथ वेदालङ्कार

प्रकाशकः— रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली, सोनीपत, हरयाणा ।

२. तर्कसंग्रहः —

प्रकाशकः— चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।

३. ईशादि नौ उपनिषद्

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर ।

४ मनुस्मृतिः

प्रकाशकः— आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट-४५५, खारी बावली, दिल्ली ।



प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 504

पूर्णाङ्काः - १००

(वैदिकसाहित्यम्)

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्काः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः- ३०

समयः- होरात्रयम्

वेदतः

१. उपर्युक्तसूक्तयोः स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः । ०५
२. चतुर्णां मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् । १०
३. पृष्ठानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि । ०५

तर्कसंग्रहतः

१. पृष्ठात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि । ०५
२. पृष्ठानां पञ्चानां सूत्राणामर्थाः बोधनीयाः । ०५
३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् । ०५

उपनिषत्तः

१. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां / अनुच्छेदानां पूर्तिः । १०
२. पृष्ठेषु पञ्चसु चतुर्णां विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् । १०

मनुस्मृतिः

१. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः । १०
२. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः पदच्छेदविभक्तिसमासा लेखनीयाः । ०५

**B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**  
**Semester 5**  
**Paper - 5**  
**English Communication - V**  
**Paper Code - BV -505**

**Programme Objectives**

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

**Course Specific Outcomes**

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

**1- Practice of Speaking English**

**2- Literature**

S.NO.	Story Name	Author Name
1	My Mother	A.P.J. Abdul Kalam
2	PP Acharya Balkrishan ji	--
3	The Doctors Word	R.K. Narayan
4	The Spell	Munshi Prem Chand
5	Helen Keller	--
6	Major Dhyan Chand	--
7	Aryabhatt	--
8	The Last Lesson	Alphonse Daudet

# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 5**

**Paper - 5**

***manovijñānam***

**Paper Code - BV -506**

## **Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karanā |
- bhāratīya paramparāoṃ, dharmasāstreṃ evaṃ bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthasāstra evaṃ rājanītīsāstra kā jñāna karānā |

## **Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane meṃ sahāyatā milatī hai |
- apanī paramparāoṃ ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgrta hotā hai |
- artha vijñāna aurā rājanaitika sthitiyoṃ ko samajhane kā sāmārthya baDA jātā hai

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य पञ्चमसत्रम् वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

विषयाः -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 1**

***saṃskṛtavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -601**

### **Course Objectives-**

- sup tathā tigh pratyayoṃ āgamoṃ evaṃ ādeśoṃ kā bodha |
- ārdhadhātuka pratyayoṃ ko iṭ vidhi niṣadha tathā sarvanāmasaṃjñaka kāryoṃ kā jñāna |
- dhātu evaṃ abhyāsa sambandhi kāryoṃ kā jñāna |

### **Course Outcomes-**

- saṃskṛta bhāṣā meṃ prayukta hone vāle subanta evaṃ tighantapadoṃ kā saralatā se bodha ho jātā hai |
- bhāṣā meṃ prayukta śabdoṃ ke vyākaraṇa sambandhi kāryoṃ kā jñāna ho jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 601

प्रथमपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (११)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) काशिकावृत्तिः (सप्तमोऽध्यायः)-	७०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१५
(ख) पदकृत्यम्	१५
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१५
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१५

सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर, हरयाणा।

*20/10/2018*

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 601

(व्याकरण- ११)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

### १. काशिकातः-

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्ठेषु पञ्चसु सूत्रेषु त्रयाणां काशिकारीत्या व्याख्यानम्।      | १५ |
| २. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्।                     | १५ |
| ३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्।                 | १५ |
| ४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्।                   | १० |
| ५. प्रदत्तेषु पञ्चसु शब्देषु / शङ्कासु त्रयाणां सिद्धिः / समाधानम्। | १५ |

## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 2**

***saṃskṛtavyākaraṇam***

**Paper Code - BV -602**

### **Course Objectives-**

- padasambandhi dvitva pada se uttara ādeśa evaṃ svaraviśayaka kāryom kā jñāna |
- pūvatrasiddha prakaraṇa meṃ nirdiṣṭa evaṃ saṃhitā viśayaka mūrdhanya, ṇatva ityādi vividha kāryom kā jñāna |

### **Course Outcomes-**

- bhāṣā meṃ prayukta śabdom ke ādeśādi kāryom kā jñāna ho jātā hai |
- tighanta evaṃ subanta padom ṣatva aura ṇatva kā sampūrṇatā bodha ho jātā hai |



## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 602

### द्वितीयपत्रम्- संस्कृतव्याकरणम् (१२)

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

१. काशिकावृत्तिः (अष्टमोऽध्यायः)-	५०
(क) सूत्रव्याख्यानम्	१०
(ख) पदकृत्यम्	१०
(ग) वार्तिकव्याख्यानम्	१०
(घ) कारिकाव्याख्यानम्	१०
(ङ) शब्दसिद्धिः / शङ्कासमाधानम्	१०
२. लिङ्गानुशासनम्-	२०
(क) सूत्रकण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) ससूत्रलिङ्गज्ञापनम्	१०

### सहायकग्रन्थाः-

१. काशिकावृत्तिः- श्रीवामनजयादित्यविरचिता

प्रकाशकः- १. रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत, हरयाणा।

२. श्रीमद्दयानन्दवेदार्थमहाविद्यालयन्यासः, ११९ गौतम नगरम्, नई दिल्ली-४९।

३. तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।

२. वार्तिकप्रकाशः- आचार्यः आनन्दप्रकाशः

प्रकाशकः- चौखम्भा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

३. व्याकरणकारिकाप्रकाशः- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

४. लिङ्गानुशासनम्:- पं. सुदर्शनदेवाचार्यः

प्रकाशकः- हरयाणा साहित्य संस्थान, गुरुकुल झज्जर हरयाणा।

## प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 602

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(व्याकरण- १२)

### १. काशिकातः-

१. पृष्ठेषु त्रिषु सूत्रेषु द्वयोः काशिकारीत्या व्याख्यानम्। १०
२. पृष्ठेषु सप्तसु सूत्रेषु पञ्चानां पदकृत्यम्। १०
३. पृष्ठेषु सप्तसु वार्तिकेषु पञ्चानां व्याख्यानम्। १०
४. प्रदत्तासु तिसृषु कारिकासु द्वयोर्व्याख्यानम्। १०
५. प्रदत्तेषु चतुर्षु शब्दसिद्धिषु / शङ्कासु द्वयोः साधनम्/ समाधानम्। १०

### २. लिङ्गानुशासनतः -

१. पृष्ठेषु त्रिषु द्वयोरग्रे दशसूत्रलेखनम्। १०
२. पृष्ठेषु सप्तसु पञ्चानां ससूत्रलिङ्गज्ञापनम्। १०

# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 3**

***saṃskṛtasāhityam***

**Paper Code - BV -603**

## **Course Objectives-**

- kathā ke mādhyama se adhyātma kā bodha |
- rāma ke caritra va śloka ke artha kā bodha |
- śikhāloka ke ślokoṃ kā artha sahita bodha |

## **Course Outcomes-**

- adhyātma bodha ke sātha ślokapūrvaka artha meṃ paṭu ho jātā hai |
- rāmacarita ke ślokapūrvaka artha meṃ praviṇatā evaṃ unheṃ jīvana meṃ dhāraṇa karane ke lie pravṛtta hotā hai |
- śikhāloka kā smaraṇa va artha bodha ho jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 603

### तृतीयपत्रम्- संस्कृतसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००  
बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०  
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०  
समयः- होरात्रयम्

#### (१) गद्यम्-

राजकुमारी कथा- (४०-८०)

२०

(क) शब्दार्थः, काव्यसौन्दर्यम्, वाक्यान्वयः/अलंकारः

१०

(ख) कथासारः/नवीनकथालेखनम्

१०

#### (२) नाटकम्- (उत्तरामचरितम् १, २ अंक)

२५

(क) श्लोकव्याख्या/ गद्यव्याख्या

१०

(ख) पात्रपरिचयः/ कविपरिचयः

१०

(ग) चरित्रचित्रणम्/ अङ्कसारः

०५

#### (४) काव्यशास्त्रम्- (काव्यदीपिका अष्टमशिखालोकः)

२५

(क) विषयगतप्रश्नाः

२५

#### सहायकग्रन्थाः-

१. राजकुमारी कथा - संपादकः - प्रो० माईकल हार्न्स

प्रकाशकः- फिलिप्स यूनिवर्सिटी, जर्मनी।

२. उत्तरामचरितम् - श्रीभवभूतिप्रणीतम्

प्रकाशकः- रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद।

३. काव्यदीपिका- विद्यारत्नकान्तिचन्द्रभट्टाचार्येण संगृहीता

प्रकाशकः- मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा०लि०, देहली।

# **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 4**

**vaidikasāhityam**

**Paper Code - BV -604**

## **Course Objectives-**

- adhyāya meṃ varṇita dharma kā bodha |
- pramāṇaprameyādi kā bodha |
- prakṛti kī prārambhika avasthā kā bodha |
- manusmṛti ke ślokoṃ ke artha va viṣaya kā bodha |

## **Course Outcomes-**

- veda mantreṃ kā kaṅṭhasthikaraṇa va arthapūrvaka bodha |
- pramāṇādi kā bhinna-bhinna jñāna |
- mantreṃ kā kaṅṭhasthikaraṇa va unakā arthapūrvaka jñāna |
- manusmṛti ke ślokoṃ ke arthapūrvaka jñāna meṃ samartha hote hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् Code-BV 604

### चतुर्थपत्रम्- वैदिकसाहित्यम्

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

(१) वेदः- (यजुर्वेदः - ३६)	२०
(क) मन्त्रकण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम्	१०
(ग) ऋषिदेवताछन्दोज्ञापनम्	०५
(२) दर्शनम्- (न्यायदर्शनम्, प्रथमोध्यायः प्रथमपादः)	२०
(क) कण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) सूत्रार्थबोधनम्	१०
(ग) विषयात्मकप्रश्नाः	०५
(३) उपनिषद्- (ऐतरेयोपनिषद्)	१५
(क) कण्ठस्थीकरणम्	०५
(ख) विषयात्मकप्रश्नाः	१०
(४) अन्यधार्मिकग्रन्थाः-	
मनुस्मृतिः - (अध्याय- ६, आदितः पञ्चाशत् श्लोकाः)	१५
(क) श्लोककण्ठस्थीकरणम्	१०
(ख) पदपदार्थज्ञापनम्	०५

**सहायकग्रन्थाः—**

१. यजुर्वेदः - व्याख्याकारः महर्षिदयानन्द सरस्वती

प्रकाशकः— वैदिक पुस्तकालय, अजमेर, राजस्थान ।

२. न्यायदर्शनम् -

प्रकाशकः— चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।

३. ऐतरेयोपनिषद्

प्रकाशकः— गीताप्रेस गोरखपुर ।

४ मनुस्मृतिः -

प्रकाशकः— आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट-४५५, खारी बावली, दिल्ली ।

**प्रश्नपत्रविषयका निर्देशाः Code-BV 604**

**(वैदिकसाहित्यम्)**

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

**वेदतः**

- |  |    |
|--|----|
| १. उपर्युक्तसूक्तयोः स्मृताः केचन पञ्च मन्त्रा लेखनीयाः ।        | ०५ |
| २. चतुर्णां मन्त्राणां शब्दार्थपुरस्सरं स्वशब्दैरर्थबोधनम् ।     | १० |
| ३. पृष्टानां पञ्चानां मन्त्राणाम् ऋषिदेवताछन्दांसि ज्ञापनीयानि । | ०५ |

**न्यायदर्शनम्**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्टात् सूत्रादग्रे पञ्च सूत्राणि लेखनीयानि । | ०५ |
| २. पृष्टानां पञ्चानां सूत्राणामर्था बोधनीयाः ।    | १० |
| ३. द्वयोर्विषयात्मकप्रश्नयोः समाधानम् ।           | ०५ |

**उपनिषत्तः**

- |  |    |
|--|----|
| १. पृष्टेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः / अनुच्छेदयोः पूर्तिः । | ०५ |
| २. पृष्टेषु पञ्चसु चतुर्णां विषयात्मकप्रश्नानां समाधानम् । | १० |

**मनुस्मृतितः**

- |   |    |
|---|----|
| १. पृष्टेषु सप्तसु पञ्चानां श्लोकानां पूर्तिः ।                   | १० |
| २. पृष्टेषु त्रिषु द्वयोः श्लोकयोः पदच्छेदविभक्तिसमासा लेखनीयाः । | ०५ |

# बी.ए. ऑनर्स-संस्कृतव्याकरणम्

## षष्ठसत्रम्

### पञ्चमपत्रम्- English Communication-VI

BV-605

#### Programme Objectives

- Develop the students' abilities in grammar, oral skills, reading, writing and study skills
- Students will heighten their awareness of correct usage of English grammar in writing and speaking
- Students will improve their speaking ability in English both in terms of fluency and comprehensibility
- Students will give oral presentations and receive feedback on their performance
- Students will increase their reading speed and comprehension of academic articles
- Students will improve their reading fluency skills through extensive reading
- Students will enlarge their vocabulary by keeping a vocabulary journal
- Students will strengthen their ability to write academic papers, essays and summaries using the process approach.

#### Course Specific Outcomes

- Produce words with right pronunciation
- Develop vocabulary and improve the accuracy in grammar
- Develop the confidence to speak in public
- Demonstrate positive group communication exchanges.
- Ability to speak and write clearly in standard, academic English

1- Practice of Speaking English

2- Literature

S.NO.	Story Name	Author Name
1	The Solitary Reaper	William Wordsworth
2	Mercy (Poem)	William Shakespeare
3	Sardar Ballabh-Bhai Patel	--
4	The Last Leaf	O. Henry
5	P.P.Swami RamDev Ji	--
6	Swami Dayanand Saraswati	--
7	The Exemplary Characters of Mahabharat	--
8	The Exemplary Characters of Ramayan	--



## **B.A. Sanskrit Vyākaraṇam**

**Semester 6**

**Paper - 6**

***manovijñānam***

**Paper Code - BV -606**

### **Course Objectives-**

- manovijñāna kā bodha pradāna karānā |
- bhāratīya paramparāoṃ, dharmasāstreṃ evaṃ bhārata ke itihāsa kā jñāna karānā |
- arthasāstra evaṃ rājanītīsāstra kā jñāna karānā |

### **Course Outcomes-**

- mānava mana ko samajhane meṃ sahāyatā milatī hai |
- apanī paramparāoṃ ke bodha se ātmagaurava kā bhāva jāgrta hotā hai |
- artha vijñāna aurā rājanaitika sthitiyoṃ ko samajhane kā sāmārthya bada jātā hai |

## बी. ए. पाठ्यक्रमस्य षष्ठसत्रम् वैकल्पिकप्रश्नपत्राणि

पूर्णाङ्कः - १००

बाह्यमूल्याङ्कनाङ्कः- ७०

आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः- ३०

समयः- होरात्रयम्

विषयाः -

१. मनोविज्ञानम्।
२. भारतीयज्ञानपरम्परा।
३. धर्मशास्त्रम्।
४. प्राचीनभारतीय इतिहास।
५. अर्थशास्त्रम्।
६. राजनीतिशास्त्रम्।

सामान्यनिर्देशाः -

१. अत्र षट् वैकल्पिकविषयाः सन्ति।
२. एतेषु कश्चिदेकः संस्कृतसाहित्याख्यस्य तृतीयपत्रस्य विकल्परूपेण चेतुं शक्यः।
३. प्रथमसत्रे चित एव वैकल्पिकविषयोऽग्रिमेषु सत्रेष्वपि प्रवर्तिष्यते। तत्र परिवर्तनं कर्तुं न शक्यते।

बी. ए. पाठ्यक्रमः  
(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

।। प्रथमसत्रम् ।।

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्क आहत्य १५० भविष्यन्ति ।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्क निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसम्भाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति ।।

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम्/ संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयाः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते-

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	योगदर्शनम्	२५
३.	ईशोपनिषद्	१५
४.	गीता (अध्याय- ३)	१५

**बी. ए. पाठ्यक्रमः**  
(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)  
।।द्वितीयसत्रम्।।

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्क आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसम्भाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति।।

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम्/ संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयाः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते-

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	पारिभाषिकम्	२५
३.	केनोपनिषद्	१५
४.	गीता (अध्याय- १८)	१५

**बी. ए. पाठ्यक्रमः**  
(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

**।। तृतीयसत्रम् ।।**

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्क आहत्य १५० भविष्यन्ति ।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्कानि निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्कानि प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्कानि शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्कानि संस्कृतसम्भाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति ।

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम्/ संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयाः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते-

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	उणादिकोषः	२५
३.	कठोपनिषद्	२०
४.	गीता (अध्याय- १५)	१०

बी. ए. पाठ्यक्रमः  
(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

॥ चतुर्थसत्रम् ॥

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्क आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसम्भाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति।।

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम्/ संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयाः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते—

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	मुण्डकोपनिषद्	२५
३.	गीता (अध्याय- २)	३०

बी. ए. पाठ्यक्रमः  
(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

॥ पञ्चमसत्रम् ॥

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्का आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसम्भाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति।

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम्/ संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयाः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते—

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	फिट्सूत्रम्	१५
३.	निघण्टुः	४०

बी. ए. पाठ्यक्रमः  
(आन्तरिकमूल्याङ्कनम्)

॥ षष्ठसत्रम् ॥

- प्रत्येकं सत्रे पञ्चानामपि विषयाणाम् आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्क आहत्य १५० भविष्यन्ति।
- प्रतिविषयं ये ३० आन्तरिकाङ्का निर्धारितास्सन्ति तेषु १० अङ्काः प्रतिविषयं लिखितपरीक्षाया भविष्यन्ति, १५ अङ्काः शास्त्रस्मरणस्य भविष्यन्ति, अपि च ५ अङ्काः संस्कृतसम्भाषणस्यानुशासनस्य च कृते भविष्यन्ति।।

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	शास्त्रस्मरणम्	७५
२.	अनुशासनम्/ संस्कृतसंभाषणम्	२५
३.	पाठ्यक्रमविषयाः	५०

- शास्त्रस्मरणविषये अङ्कविभाजनं निम्नाङ्कितरूपेण वर्तते—

क्र.सं.	विषयाः	अङ्काः
१.	अष्टाध्यायी, धातुपाठः	२०
२.	लिङ्गानुशासनम्	२०
३.	गणपाठः	३५